राजीव विश्नोई
Rajeev Vishnoi
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक
Chairman & Managing Director

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

(श्रेणी-क मिनी रत्न, सरकारी उपक्रम)
(Schedule - A Mini Ratna Govt. PSU)

Ganga Bhawan, Pragatipuram, By-pass Road, Rishikesh-249201
Tel.: (0135) 2431464

G20 भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

प्रिय देवियों, सज्जनों और साथ ही वर्चुअल माध्यम से जुड़े निगम के सभी परियोजनाओं में उपस्थित हमारे परियोजना प्रभारी, सीईओ, विभागाध्यक्ष, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों,

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के 37वें स्थापना दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई |

हम सभी को हमारे महान और श्रेष्ठ संगठन के इस ऐतिहासिक दिवस पर प्रसन्नता के साथ-साथ गर्व भी है | सन् 1988 से आज तक का सफर आप सभी के सामूहिक और निरंतर प्रयासों से ही सफल हो पाया है | हर वर्ष स्थापना दिवस के आयोजन के सुअवसर पर मैं आप सभी से संवाद करता हूँ, वैसे तो मेरा आप सभी से संवाद निरंतर बना रहता है परंतु आज का अवसर कुछ विशेष और गौरवान्वित करने वाला होता है |

इस दिन को और भी विशेष बनाने के लिए हमारे मध्य निगम के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय, श्री आर. के. शर्मा आज यहाँ उपस्थित हैं | सर आपकी गरिमामयी उपस्थित और आपका सानिध्य हमें अभिभावक के रूप में एक अलग प्रेरणा देता है | आपकी उपस्थिति उसी प्रकार है जिस प्रकार एक वटवृक्ष अपने सानिध्य में सभी को छाया देता है उसी प्रकार आपका सानिध्य भी हम सभी को छाया स्वरूप प्रेरणा देता है |

मेरे प्रिय साथियों, कार्य क्षेत्र चाहे जो भी हो, हर लक्ष्य को हमारी टीएचडीसी की टीम ने कड़े संघर्ष और समर्पण से हासिल किया है | मेरा यह विश्वास है कि एक अच्छे संगठन से एक महान संगठन बनने की अपनी दिशा में उत्कृष्टता दिखाते हुए, दुनिया के सामने एक नए इतिहास को रच कर हम विश्व पटल पर अपना लोहा मनवाएं। इसी के साथ मैं आप सभी को यह भी बताना चाहता हूँ कि महान संस्थाएं एक ही दिन में नहीं बनतीं, श्रेष्ठ से सर्वश्रेष्ठ बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी टीम सदस्यों के निस्वार्थ प्रयासों और प्रदर्शनों में लगातार वर्षों और दशकों का समर्पण लगता है जो आप सभी ने दिखाया है |

इसके अलावा ये प्रयास व्यक्तिगत प्रयास या प्रदर्शन नहीं हैं, बल्कि संगठन के सभी प्रोजेक्ट और विभागों में समर्पित रूप से योगदान देने वाले सभी टीम सदस्यों का सामूहिक प्रयास है।

साथ ही मैं यह भी उल्लेख करना चाहूंगा कि निगम के लिए कर्मचारियों की समर्पित सेवाओं के लिए, मानवीय रूप से कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए, उनके परिवार के सदस्यों की भूमिका भी कम नहीं है।

साथियों टीएचडीसी की स्थापना से लेकर अब तक का सफर आसान नहीं था परंतु हम सभी ने साथ मिलकर मेहनत और साझेदारी के बलबूते यह मुकाम हासिल किया है | मेरी उपरोक्त धारणा की पृष्ठभूमि में, मैं बड़े गर्व और सम्मान के साथ यह बता सकता हूं कि टीएचडीसी देश को समर्पित एक श्रेष्ठ ऊर्जा इकाई होने के सभी मापदंडों पर खरा उतरता है।

पिछले कई दशकों से हम अपनी लगन और मेहनत से हाइड्रो सेक्टर में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं और इस साल भी रिकॉर्ड समय में हमने अपने महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट यानी देश के सबसे बड़े 1000 मेगावाट पंप स्टोरेज प्लांट को साकार करने के लिए दिन-रात कार्य किया है। जिसके साथ ही हम देश के विद्युत परिदृश्य में क्रांति लाने की कगार पर हैं।

अगस्त माह के अन्तिम सप्ताह मे पीएसपी की हमारी पहली इकाई ऑपरेशनल हो जाएगी और इसके उपरांत periodic phases में शेष 3 इकाइयां भी ऑपरेशनल हो जाएंगी | इसके साथ ही टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड का पूरा टिहरी कॉम्प्लेक्स 2400 मेगावाट क्षमता के साथ ऑपरेशनल हो जाएगा, जो देश का सबसे बड़ा जलविद्युत कॉम्प्लेक्स होगा जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतिनिधित्व करता है |

जिसके लिए मैं अपनी पूरी टीम को बधाई देता हूं। मैं आप सभी से यह भी साझा करना चाहता हूँ कि हमने माननीय प्रधानमंत्री जी से टिहरी पीएसपी के लोकार्पण हेतु आग्रह भी किया है तथा इस दिशा में हमारे सभी कार्य पूर्ण रूप से प्रगति पर हैं |

विद्युत क्षेत्र में अपने कदम ठोस करने के अनुरूप भारत सरकार और अरुणाचल प्रदेश सरकार द्वारा हमें अरुणाचल प्रदेश के लोहित घाटी में दो जलविद्युत परियोजनाओं डेमवे लोअर-1750 मेगावाट और कलाई-ii 1200 मेगावाट को कार्यान्वित करने की जिम्मेदारी दी गई थी | हमारी टीमें उन परियोजनाओं की प्रगति हेतु कार्यशील हैं और यह जिम्मेदारी भारत सरकार का टीएचडीसी की क्षमताओं पर विश्वास का प्रमाण है |

इसके साथ ही हम उत्तराखंड के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों में हमारी अन्य जल विद्युत परियोजनाओं और हमारे सभी संयुक्त उपक्रम कम्पनियों में भी सफलता हासिल कर रहे हैं |

जिसका श्रेय आप सभी की लगन और मेहनत को जाता है |

हमने कठिन परिस्थितियों से उभरने की क्षमता का विकास अपने अंदर किया है जिसका परिणाम कंपनी के प्रदर्शन में परिलक्षित होता है और इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं | मैं मानता हूँ कि जब हम सब मिलकर एक साथ काम करते हैं, तो हर कठिनाई को पार करना आसान हो जाता है। इसी तरह के संघर्ष और सहयोग से ही हमें सफलता की ऊंचाइयों तक पहुँचने का मौका मिलता है।

पिछले कई वर्षों से हम 444 मेगावाट विष्णुगाड पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, लेकिन पिछले वर्ष से हमने उस परियोजना के कार्य में महत्वपूर्ण प्रगति की है और मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में हम उस परियोजना को भी कमीशन कर लेंगे।

इसके अलावा, हम टीएचडीसीआईएल की पहली थर्मल परियोजना, 1320 मेगावाट खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना को कमीशन करने के अंतिम चरण में हैं। यह थर्मल पावर प्रोजेक्ट देश की विद्युत आपूर्ति में महत्त्वपूर्ण सहयोग प्रदान करेगा, जिससे हमारे देश की ऊर्जा आपूर्ति में अधिक विश्वसनीयता और स्थिरता सुनिश्चित होगी जो की सिर्फ आप लोगों की परस्पर मेहनत का परिणाम होगा | इस परियोजना की गणना देश की सबसे जल्द बनने वाली सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर परियोजनाओं में की जाएगी। हालांकि थर्मल पावर जनरेशन हमारा कोर सेक्टर या कार्य क्षेत्र नहीं है और पूर्व में हमारे पास इस क्षेत्र में कार्य का अनुभव भी नहीं था, लेकिन फिर भी हम सबसे तेज गति से विकसित होने वाले थर्मल पावर प्लांट के साथ आने के लिए पूर्ण रूप से तैयार और इस क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए भी आगे बढ़ रहे हैं। इस परियोजना से संबंधित सभी महत्वपूर्ण कार्य जैसे रेलवे साइडिंग कार्य, बॉयलर लाइट अप वैगन टिपलर आदि और अन्य परिधीय गतिविधियां पूरी हो चुकी हैं।

इसके अतिरिक्त, मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि मध्य प्रदेश के अमेलिया में हमारी कोयला खदानों में निर्धारित समय से छह महीने पहले ही वाणिज्यिक परिचालन शुरू हो गया और अब तक एनटीपीसी लिमिटेड के विभिन्न विद्युत संयंत्रों को 500 रेक कोयला सफलतापूर्वक भेजा जा चुका है जो कि एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

साथियों जिस प्रकार जन्मदिन हमारे लिए विशेष महत्व रखते हैं उसी प्राकार निगम का स्थापना दिवस भी हम सभी के हृदय में एक विशेष स्थान रखता है | माँ स्वरूप इस निगम में मैंने

इतने वर्षों से जुड़े रहने के साथ एक अद्वितीय अनुभव प्राप्त किया है जिसे शब्दों में व्यक्त करना वास्तव में कठिन है। यदि हम अपने गौरवमय इतिहास पर नजर डालें तो हमें अपने उपलब्धियों पर यथोचित गर्व होगा | टीएचडीसी का 37वां स्थापना दिवस एक ऐसा अवसर है जब हम लंबी यात्रा में अपनी उपलब्धियों का उत्सव तो मनाएं परंतु आत्मसंतुष्ट न हों | हमारा ध्यान उन चुनौतियों से नहीं हटना चाहिए जो हमारे सामने हैं | हमारा निरंतर यह प्रयास होना चाहिए कि हम लगातार परिवर्तनशील परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढाल सकें |

इस वर्ष निगम ने तकनीकी कौशल के साथ साथ परिचालन दक्षता में अपनी क्षमताओं का विस्तार करने में भी अभूतपूर्व प्रगति की है। हर वर्ष की भांति कंपनी को इस वर्ष भी देश के प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा कई विभिन्न पुरस्कार और मान्यताएँ हासिल हुई हैं। इसके अतिरिक्त, टीएचडीसीआईएल ने अपनी विभिन्न परियोजनाओं और कार्यालयों में भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। साथियों मुझे यह बताते हुए बहुत गर्व की अनुभूति हो रही है कि आपके अथक प्रयासों से हम भारत के ऊर्जा क्षेत्र में आने वाले वर्षों में भी कई ऐतिहासिक मील के पत्थर हासिल करने के लिए तैयार हैं।

मैं आप सभी को बताना चाहता हूँ कि जो लोग परियोजनाओं में अपने परिवारों से दूर हैं और हमारे परियोजनाओं के निर्माण और कमिशनिंग के लिए सेवारत हैं इसके लिए आप और परिवार के सदस्य प्रशंसनीय हैं क्योंकि आपने अपने परिवार के साथ-साथ निगम को भी अपने परिवार का अहम हिस्सा माना है और इसकी तरक्की और सफलता के लिए कार्य कर रहे हैं | साथियों हमने हमारे सभी कार्यों का निर्वहन सदैव उत्कृष्टता से किया है और हमने सत्यनिष्ठा एवं निष्पक्षता के उच्च मानकों को भी बनाए रखा है | मुझे यह बताते हुए बहुत हर्ष हो रहा है कि इस वर्ष हमने ग्रेट प्लेस टू वर्क का सर्टफकेशन हासिल किया है जो निगम के सकारात्मक कार्य वातावरण के बारे में बताता है | जैसा कि आप सभी को विदित ही है कि आपके उच्च प्रबंधन ने आप सभी के निरंतर विकास के लिए कई पहलों को शुरू किया है जैसे E-Gyan Sanchay (E- Learning Module), समय समय पर ट्रेनिंगस और कार्यशालाओं का आयोजन आदि | हमें अपने कार्यस्थल में अग्रसर रहने के लिए विश्व की latest technologies से निरंतर अवगत रहना अति आवश्यक है |

हमारे सभी प्रयास निगम के नव-सृजित विज़न "एक एकीकृत वैश्विक ऊर्जा संगठन जो भारत की शुद्ध-शून्य आकांक्षाओं की अभिप्राप्ति के लिए सतत समाधान प्राप्त करे" और मिशन एवं

कॉर वैल्यूस के अनुरूप ही हैं |

देवियों और सज्जनों, हमारी सफलता की कहानी यहीं समाप्त नहीं होती है। हमारी कंपनी देश के विभिन्न भागों में सभी ऊर्जा स्रोतों का दोहन करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हमारा निगम टीएचडीसी ने लगभग साढ़े तीन दशक पहले टिहरी के एक छोटे से गांव से शुरुआत की थी और अब अपने पंख नई ऊंचाइयों पर फैला चुका है और आगे भी ऊंची उड़ान भरता रहेगा। अब हमें मिलकर अगले शानदार पड़ावों की ओर बढ़ना है | आने वाले निर्धारित लक्ष्यों को दृढ़ता से हासिल करना है | आज के बदलते विद्युत परिदृश्य में अब वक्त सर्वश्रेष्ठ से भी बेहतर प्रदर्शन करने का है और किसी भी बाधा में पीछे न हटना और शिथिलता को अस्वीकार करते हुए नित नए आयाम हासिल करने का है

महाभारत में जिस प्रकार अर्जुन ने तैलपात्र में मछली के प्रतिबिम्ब को देखते हुए एक ही बाण से मछली की आँख को भेद दिया, यह हमे सिखाता है कि सही निश्चित लक्ष्य, सही नेतृत्व और संघर्ष के माध्यम से हम किसी भी कठिनाई को पार कर सकते हैं और अपने लक्ष्य को साकार कर सकते हैं।

निगम के मेरे सभी सहकर्मियों, अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा दिए गए सतत और अमूल्य योगदान के लिए मैं हार्दिक धन्यवाद देता हूँ और आशा करता हूँ कि हम सभी मिलकर प्रयास करते रहेंगे और निगम को नित नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे क्योंकि मैं मानता हूँ कि एक संस्था की महानता उसके कर्मचारियों के संघर्ष और समर्पण में निहित है। मुझे पूरी आशा है कि आपकी नियमित प्रतिबद्धता, समर्थन और मेहनत से हम अपने सभी दायित्वों कों पूरी निष्ठा से पूर्ण करते रहेंगे |

“चलते रहो जिद्दी राह पर, अपनी मंजिल की ओर, क्योंकि अब और ना रुकने वाले हम।“

मैं पुनः आप सभी को अनंत मंगलकामनाएं देता हूँ |

धन्यवाद

जय हिंद !

जय टीएचडीसी !

दिनाक: 12.07.2024

(आर० के० विश्नोई)